

संसदीय क्षेत्र बूंदी में कौशल महोत्सव रोजगार मेले के उद्घाटन समारोह में सम्बोधन

बूंदी के इस सर्द मौसम के अंदर भी अपनी जिद और अपने लक्ष्य के लिए किस तरीके से हमने जो कौशल-शिक्षा प्राप्त की है, हुनर प्राप्त किया है, उस शिक्षा, कौशल और हुनर को हम अपनी सेवाएं देकर देश और राष्ट्र के नवनिर्माण में क्या योगदान दे सकते हैं, इसके लिए बूंदी, हाड़ौती संभाग, राजस्थान से आए मेरे युवा साथियों, माताओं-बहनों, मैं आपका हाड़ी रानी, बूंदी के अंदर अभिनंदन और स्वागत करता हूं।

मुझे खुशी है कि बूंदी में आज देश भर की 80 से ज्यादा कंपनियां आयी हैं, जिसमें बड़ी कंपनियों के रूप में लार्सन एंड टूब्रो आयी है, जो इन्फ्रास्ट्रक्चर तथा अन्य क्षेत्रों में काम करती है। टाटा कैपिटल कंपनी भी आयी है, जो स्किल और अन्य सेक्टर्स के क्षेत्र में भी काम कर रही है। टीवीएस सप्लाय चैन कंपनी, वेल स्पेंशन इंटरनेशनल, अंबुजा सीमेंट आदि बहुत सारी कंपनियां आयी हैं। ये कंपनियां अपनी आवश्यकतानुसार हमारे जो नौजवान हैं, उनको नियोजित करने का काम करेंगी और ये नौजवान उन कंपनियों के अनुभव, कार्य संचालन तथा उनसे सीखकर देश और राष्ट्र की सेवा भी करेंगे तथा अपनी स्किल को और बेहतर करने का काम करेंगे।

आज दुनिया में भारत सबसे तेजी से आगे बढ़ रही अर्थव्यवस्था वाला देश है। दुनिया में भारत सबसे विशाल, विविधताओं वाला तथा सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है, लेकिन उसके साथ-साथ जितनी हमारी विशालता और विविधताएं हैं, जितना बड़ा हमारा लोकतंत्र है, उतना ही बौद्धिक क्षमता से, कौशल से, इनोवेशन से रिसर्च और टेक्नोलॉजी के अंदर भारत का नौजवान दुनिया का नेतृत्व कर रहा है।

हमारे भारत के नौजवानों की बौद्धिक क्षमता, कार्य कुशलता अद्भुत है। इसीलिए आज भारत के अंदर और दुनिया के अधिकतम देशों के अंदर भी अगर कोई भी चुनौती आती है, कोई भी आपदा आती है, कोई भी संकट आता है या उनको देश के कार्य संचालन

में सुविधा हो, देश के कार्य संचालन में कुशलता आए, अगर उनकी हर चुनौती का समाधान निकालने में कोई सक्षम है तो वह भारत का नौजवान है।

आज दुनिया के अंदर जितने भी विकसित देश हैं, अगर वहाँ भी कोई नेतृत्व कर रहा है तो वह भारत का आईटी का नौजवान नेतृत्व कर रहा है। दुनिया की जितनी भी बड़ी-बड़ी कंपनियाँ हैं, उन बड़ी कंपनियों का सीईओ भारत का नौजवान है। यह हमारे नौजवानों की बौद्धिक क्षमता है। हमारा दूर-दराज के गाँव में बैठा हुआ नौजवान, जिसकी बौद्धिक क्षमता अद्भुत है, उसमें कार्य कुशलता है, उसमें क्षमता और सामर्थ्य है, उस नौजवान को शिक्षा के साथ-साथ कौशल देने की आवश्यकता है।

वह शिक्षा के साथ-साथ किसी न किसी क्षेत्र के अंदर अपने को स्किल्ड करे ताकि वह अपने पैरों पर खड़ा हो सके। आज यह भारत की ताकत है कि भारत ने अपने दम पर, इन नौजवानों की ताकत के बल पर 80 हजार से ज्यादा स्टॉर्टअप शुरू किए हैं। ये स्टॉर्टअप हर समस्या का समाधान भी दे रहे हैं और लोगों को रोजगार भी दे रहे हैं। 100 से ज्यादा यूनिकॉर्न हैं, जो दुनिया की बड़ी कंपनियों से बेहतर काम कर रहे हैं।

आने वाले समय में फरवरी में जब कोटा में एमएसएमई और स्टॉर्टअप का मेला लगेगा तो आप देखेंगे कि दूर-दराज के गाँव के नौजवान ने किस तरीके से नए इनोवेशन से, नई रिसर्च से, दुनिया के अंदर जो समाधान नहीं हुआ, उस दूर-दराज के गाँव के, किसान के बेटे ने उन चुनौतियों का समाधान करके देश और दुनिया को एक दिशा देने का काम किया है।

एक समय यह कहा जाता था कि भारत की आबादी अभिशाप है। भारत के नौजवानों को रोजगार कहां मिलेगा? आज गाँव का यह बेटा, नौजवान रोजगार देने वाला भी बन रहा है और रोजगार लेने वाला भी बन रहा है। मैं एक समय देखूंगा कि मेरे गाँव व शहर का नौजवान खुद अपने पैरों पर खड़ा होकर पाँच नौजवानों को रोजगार देगा।

भारत के अंदर एक व्यक्ति भी बेरोजगार न रहे, इस लक्ष्य पर हम सब को सामूहिक रूप से काम करने की आवश्यकता है। इसलिए चाहे एग्रीकल्चर का सेक्टर हो, चाहे आईटी का सेक्टर हो, चाहे इंफ्रास्ट्रक्चर का सेक्टर हो, चाहे टेक्नोलॉजी का हो, चाहे आधुनिक युग की मशीनों का हो, दुनिया के अंदर वर्क के नेचर में परिवर्तन के साथ हमें भी अपने आपमें परिवर्तन करने की आवश्यकता है। आज दुनिया की बदलती परिस्थिति के अंदर कार्य की दिशा में परिवर्तन हुआ है।

एक समय आयेगा कि गांव में पैदा होने वाला चाहे मक्का हो, बाजारा हो, ज्वार हो, जिसको मोटा अनाज कहते हैं, दुनिया के अंदर उसकी सबसे बड़ी डिमांड होगी। उसे उगाने के बाद, उसका वैल्यू एडिशन करने के बाद उसको अंतर्राष्ट्रीय बाजार देने का काम यदि कोई करेगा तो भारत के किसान का बेटा करेगा।

आज मुझे खुशी है कि हम 'जय जवान, जय किसान' का नारा देते हैं। सीमा पर माइनस 15 डिग्री में खड़ा होकर देश की रक्षा करने का काम हमारे गांव का नौजवान करता है, चाहे वह सेना में हो, अर्धसैनिक बल में हो, चाहे तपती धूप में हो और इसी तरीके से किसान तथा किसान का बेटा ठंडी लहर के अंदर गांव में खेती करके, अन्न उत्पादन करके अन्नदाता के रूप में देश की सेवा करने का काम कर रहा है।

बड़ी अपेक्षाओं व बड़ी आशाओं के साथ आपके पिताजी ने आपको कौशल शिक्षा के लिए भेजा है। आपके पिताजी ने बड़ी आशाओं के साथ आपको अच्छी शिक्षा दी, उच्च शिक्षा दी। हमें पिताजी की उन आशाओं व आकांक्षाओं को पूरा करना है। हमें देश के नव निर्माण के अंदर योगदान देना है। हमें शिक्षा के साथ-साथ अपनी कौशलता को भी प्रमाणित करने की आवश्यकता है, इसलिए आज आप यहां पर नौकरी लेने के लिए आए हैं।

मैं चाहता हूँ कि भारत का यह नौजवान आने वाले समय में नौकरी देने वाला बने, इसलिए गांवों के अंदर कौन से उद्योग लग सकते हैं, उस पर विचार करने की आवश्यकता है। आप बूंदी के अंदर चले जाएं, वहां चाहे सब्जी हो, उसकी पैकिंग का काम हो, उसकी वैल्यू एडिशन का काम हो, किसी जमाने में चावल की पेढ़ी का उपयोग नहीं होता था, आज उसी चावल का तेल दुनिया के अंदर जा रहा है। इसलिए हमें एग्रीकल्चर सैक्टर के अंदर भी विचार करने की आवश्यकता है।

इसके साथ-साथ जिस सैक्टर में भी आपने काम किया है, आज आपको आपकी अपॉर्चुनिटी से जॉब भले ही मिले न मिले, लेकिन हारना मत और निराश कभी मत होना। दुनिया के अंदर जब इतिहास पढ़ोगे तब आपको लगेगा कि जो व्यक्ति चुनौतियों से लड़ता है, वही जीतता है। जो हारता है, वही अंततः जीतता है। जो किसी कम्पटीशन में बैठेगा, तभी पास और फेल होगा। जो कम्पटीशन से भागेगा, वह कभी सफल नहीं हो सकता है। आज नौकरी मिलने के लिए लोग जो यहां पर आए हैं, नौकरी लेने आए हैं, अगर आप बड़े लोगों का इतिहास पढ़ोगे तो वे भी आपकी तरह नौकरी लेने आए थे। वे नौकरी करते-करते आज देश और दुनिया के अंदर सबसे ज्यादा अरबपति-खरबपति सेठ हैं, तो वह भारत का नौजवान, गांव का नौजवान है।

इसलिए मेरी अपेक्षा यहां पर नौकरी करने तक ही नहीं है कि आपको कोई जॉब मिल जाए, 25-30 हज़ार की या 50 हज़ार की। यह तो समय है। आप एक-दो साल बाद देखेंगे कि दुनिया के अंदर भारत जैसी वर्कफोर्स कहीं नहीं है। दुनिया के अंदर भारत के नौजवानों की डिमांड है। लेकिन हम भारत के बाहर भी और भारत के अंदर भी मुझे आशा है कि मेरा नौजवान आने वाले समय में नौकरी देने वाला बनेगा।

मेरा आपसे आग्रह है कि आज जो जॉब मिलती है, उसका प्रयास करो। नहीं मिलता है तो हम फिर से प्रयास करेंगे। देश के अंदर अब जॉब्स की कमी नहीं है। डिमांड बहुत है, लेकिन हमें उसके मुकाबले में उस स्तर का कौशल बनाना पड़ेगा।

जो नए नेचर की जॉब्स आ रही हैं, उनके अनुसार हमें कौशल ग्रहण करना पड़ेगा कि ड्रोन उड़ाने के लिए देश में कितने नौजवानों की आवश्यकता पड़ेगी। बूंदी का हर व्यक्ति, तीन दिनों इस कंपनी के ड्रॉस यहां पर रहेंगे और आने वाले समय के अंदर आप कहेंगे तो एक कंपनी को बोलेंगे कि कंपनी का व्यक्ति यहां पर एक लगाए और बूंदी का हर व्यक्ति ड्रोन चलाना सीखे और आने वाले समय के अंदर बूंदी का नौजवान यहां पर भी और दुनिया के अंदर ड्रोन के माध्यम से खुद अपने ड्रोन का मालिक हो और 90 पर्सेंट सब्सिडी है, 10 पैसे जमा करने हैं और अलग-अलग खेतों में जा कर रोजगार भी दें और रोजगार के साथ खुद भी कमाने का काम करें। ऐसी बहुत सारी चीज़ें हैं।

हम जॉब तो लेने आए हैं, लेकिन आने वाले समय में हमें जॉब देना है। कोटा में 8 जनवरी को बैंक का मेला लग रहा है। वहाँ पर आप आएँ। किस नेचर के जॉब के आधार पर आप ऋण लेना चाहते हैं? मुद्रा बैंक के अंदर बिना गारंटी के आपको 50 हजार से 10 लाख रुपये तक लोन मिलेगा। जो बैंक लोन नहीं देगी, उसकी जिम्मेदारी मेरी है। आप गाँव के अंदर छोटा काम करना शुरू कीजिए, शहर में छोटा काम करना शुरू कीजिए।

मैंने आज बूंदी के अंदर इसलिए कौशल मेला लगाया कि बूंदी के गाँव को अपने घर के पास नौकरी की ऑर्चुनिटी मिले, यहाँ से कुछ सीखे और आने वाले समय में बूंदी के लोगों को रोजगार दें।

अगर बूंदी का व्यक्ति किसी कंपनी का मालिक बनेगा तो बूंदी के लोगों को रोजगार देने का काम करेगा। इसलिए, मेरा आपसे आग्रह है कि आज जॉब की जो कुछ भी ऑर्चुनिटी है, उसके लिए आप कोशिश करें, फिर नए स्किल्ड क्षेत्रों के अंदर भी आपको

यहाँ से जानकारी मिलेगी कि किस तरीके की डिमांड है। आज हमें किस स्किल्ड की ओर बढ़ना है, इसके बारे में भी आपको जानकारी मिलेगी। इसके साथ अपनी कौशल उद्यमिता को और सर्वश्रेष्ठ करने का काम करें।

हमारे में ही क्षमता है और मैं ही जीवन के अंदर परिवर्तन करूंगा। बौद्धिक चिंतन, क्षमता, इनोवेशन, रिसर्च करने की ताकत मेरे में ही है और मैं ही दुनिया का सबसे बड़ा आदमी बनूंगा। इस रोजगार मेले से आपको इसी लक्ष्य के साथ जाना है।
